Title: Need to solve the problem of ground water pollution in Jalesar, Uttar Pradesh.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : अध्यक्ष जी, मैं अपने संसदीय क्षेत्र जलेसर के सैंकड़ों गांवों में दूषित भूगर्भ-जल के पीने से उत्पन्न बीमारियों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मेरे क्षेत्र एटा जनपद के गांवों महापुर, एरई, रजापुर, कुतुबपुर, नंगलापार, सिकंदरपुर, चिलासनी, रामगढ़, उमरगढ़, भरकना कैलाशपुर तथा फिरोजाबाद जनपद की टूंडला विधानसभा के मिलक, कायथा, नंगला-बंसी, नंगला अखई, नंगला नौजी आदि। मतलब यह है कि मेरे क्षेत्र की पांचों तहसील एदत्मादपुर, टूंडला, जलेसर, सादाबाद, निधौली कला के सैंकड़ों गांव ऐसे हैं जहां जमीन का पानी अत्यंत दूषित है। पानी में अयस्क, कैमिकल्स, मिनरल्स का अनुपात बिगड़ गया है और फ्लोराइड की मात्रा इतनी अधिक हो गयी है कि 35 साल के जवान आदमी के दांत उस पानी को पीने से गिर जाते हैं। यह मामला बहुत गंभीर है। हालात यहां तक हैं कि कुछ गांव में इस दूषित पानी के कारण लोग कुबड़े होने लगते हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वहां अगर चिड़ियां पानी पी लें तो चिड़ियां भी मर जाती हैं। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वह दूषित पानी इंसान को कितना नुकसान पहुंचा रहा होगा। उस दूषित पानी को पीने वालों को पांच-पांच बार दिन में शौच के लिए जाना पड़ता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हं कि भूजल सर्वेक्षण विभाग या जो भी विभाग इससे संबंधित हो, वह वहां मीठे जल के स्रोतों का पता करे, और टैंक बनाकर उसकी सप्लाई करें जिससे लोगों को मीठा जल मिल जाए। राज्य सरकार के पास इस संबंध में कोई सुविधा नहीं है। (व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैं आपके संज्ञान में यह भी लाना चाहता हूं कि ग्रीमकाल में लोग अपने पशुओं को अपने रिश्तेदारों के यहां भेज देते हैं और जब वर्षा आती है तो पशुओं को वापस लाते हैं। (*Interruptions*)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Sir, I do not want to raise matters that are not important. ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the principal Opposition party must get priority. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः आपकी बात हो गई है और आपने उसे सब के सामने रखा। अभी श्री सी.एन. सिंह बोलेंगे।

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां लोग गर्मियों में पशुओं को अपने रिश्तेदारों के घर भेज देते हैं यानी पशुओं का माइग्रेशन हो रहा है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आपने सारी बात बतायी। अब आप बैठ जाएं।

(व्यवधान)

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : अध्यक्ष महोदय, बरसात शुरु होने पर उन्हें वापस बुला लिया जाता है। यह एक गम्भीर मसला है। रु□□(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः श्री सी.एन. सिंह, यदि आप नहीं बोलेंगे तो मैं आगे वाला नाम बुला लूंगा।

(व्यवधान)

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : वहां खून पानी से सस्ता है। पानी को लेकर झगडे, कत्ल और हत्याएं हो रही हैं। वहां मीठे जल स्रोतों का पता लगाना चाहिए। वहां केन्द्र की कोई भी टीम जाए लेकिन वह जल्दी जानी चाहिए जिससे लोगों को पीने का पानी मिल सके। वहां आठ रुपए किलो दूध मिल रहा है। दूध इतना सस्ता है कि पानी मिलाने की गुंजाइश ही नहीं रहती। (व्यवधान) पानी 10 रूपए लीटर से 15 रूपए लीटर है ।

अध्यक्ष महोदयः आपकी बात पूरी हो गई है। अब आप बैठ जाएं।

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : अध्यक्ष महोदय, मैं एक शेर के साथ अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। मेरे इस शेर में सारा दर्द छिपा है।

खून इस दौरे गरानी में बहुत सस्ता है,

रात फिर गांव में एक कत्ल हुआ पानी पर।

मेरा इतना ही कहना है कि वहां शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की जाए। केन्द्र या राज्य की सरकार यदि लोगों को पीने का पानी नहीं दे सकती तो उसे सत्ता में बने रहने का भी अधिकार नहीं है। (व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Sir, please give me a chance. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Allegatory matters cannot be raised. But still I am going to permit you.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, on an issue which is a burning one in the country, we have a right to raise it in this House, in the `Zero Hour'. ...(*Interruptions*) It is not a matter of *sub judice*. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः आप जीरो आवर में एलिगेशन लगाने वाली बात नहीं रख सकते। But still I am going to permit you.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, it is an allegation against the Minister of Finance. He has a right to raise it in the House. How can you deny him? ...(*Interruptions*)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Sir, I am sorry about your observation. ...(*Interruptions*) This is unfair. ...(*Interruptions*) Sir, please do not create a precedent. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am going to permit him. I have already permitted Shri C.N.Singh. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Pawan Kumar Bansal and Shri Priya Ranjan Dasmunshi, I have already told you that I am going to allow your matter. As a matter of fact, it is an allegatory matter. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please let me complete.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Pawan Kumar Bansal, please listen to me. In the normal course, in the `Zero Hour', if you want to raise this matter, you have to give a notice, and notice to the person against whom the allegation is to be made, if it is according to the rules. Let me complete. Still I thought that you would be permitted to do it, but you cannot say that `give us priority' because the priority is to be decided by the Chair. The Chair has already decided the priority. So, please wait. I am going to give you permission.

...(*Interruptions*)

SHRI VAIKO (SIVAKASI): Sir, today is the 50th anniversary of the Indian Parliament. At least, today, please show some respect for democratic principles. ...(*Interruptions*)